लखनऊ में डीआरडीओ का डिटेक्शन सेंटर बनेगा

- डीआरडीओ को 10 एकड़ भूमि लीज पर मिलेगी
- पांच सौ युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

लखनऊ, विशेष संवाददाता। रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ) लखनऊ के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में आईआर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी केंद्र बनाएगा। इस केंद्र में सेमीकंडक्टर आइआर डिटेक्टरों का निर्माण होगा। ब्रह्मोस मिसाइल सहित कई रक्षा उपकरणों में इसका इस्तेमाल होता है। वर्तमान में भारत विदेश से आइआर डिटेक्टरों की 5,000 से अधिक यूनिट आयात करता है।

कैबिनेट ने मंगलवार को सरोजनीनगर तहसील के भटगांव में इस केंद्र के लिए एक रुपए वार्षिक लीज रेंट पर 10 हेक्टेयर भूमि डीआरडीओ को देने का निर्णय लिया। इस केंद्र की स्थापना पर 2000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां सेमीकंडक्टर आईआर डिटेक्टरों का निर्माण किया जाएगा जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि आइआर डिटेक्शन टेक्नालाजी केंद्र की स्थापना के बाद आइआर डिटेक्टरों की 1,000 यूनिट का निर्माण प्रतिवर्ष किया जाएगा। भविष्य में इसका विस्तार कर 10,000 यूनिट का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी स्थापना से 150 इंजीनियरों व 500 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।